हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-13 अंक-07 हरिद्वार, रविवार, 15 फरवरी, 2026 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

सीएम धामी ने की कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों की समीक्षा

कुंभ से संबंधित सभी तैयारियां, अक्टूबर माह तक पूरी हों: मुख्यमंत्री

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय स्थित वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार में कुम्भ मेला-2027 हरिद्वार की तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ से संबंधित सभी तैयारियों को अक्टूबर माह तक पूरा किया जाए। साथ ही कुंभ की आवश्यकताओं को देखते हुए सभी प्रकार के निर्माण कार्य तय समय के अंदर पूरे हों। सभी निर्माण कार्य की गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। शासन स्तर पर कुंभ से संबंधित कोई भी कार्य/ फाइल लंबित न रहे। किसी भी कार्य को लंबित रखने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार की प्राथमिकता है की कुंभ मेले का भव्य दिव्य और सफल आयोजन हो।

मुख्यमंत्री ने सचिव, पीडब्ल्यूडी को अगले 24 घंटे के अंदर कुंभ मेले के लिए टेक्निकल पद के अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में बने सभी पुलों का ऑडिट किया जाए। साथ ही कुंभ क्षेत्र में स्थित सभी घाटों का सौंदर्यीकरण और आवश्यकता अनुसार पुनर्निर्माण कार्य भी किया जाए। उन्होंने कहा श्रद्धालुओं के लिए हर की पैड़ी के साथ ही अन्य सभी घाटों में भी स्नान की व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। सभी प्रमुख स्थानों पर शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था हो। पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा बलों, जल पुलिस की तैनाती हो। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन, सीसीटीवी एवं अन्य आधुनिक उपकरणों का उपयोग भी हो। उन्होंने कहा मेले के दौरान कानून व्यवस्था, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन की विस्तृत कार्य योजना अलग से बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेला क्षेत्र में विभिन्न अखाड़ों को भूमि आवंटन तय समय पर किया जाए। इसकी मेलाधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग करें। साथ ही सभी अखाड़ों, मठों ,संत समाज, संस्थाओं, समितियां एवं स्थानीय लोगों से परस्पर्म समन्वय किया जाए। साथ ही उनके सुझावों के अनुरूप मेले की तैयारी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कुंभ के दौरान लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसके लिए कुंभ क्षेत्र में व्यापक स्तर पर अतिक्रमण की खिलाफ अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन संबंधित मामलों पर जल्द अनुमति ली जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अन्य प्रदेशों से भी परस्पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा मेले से संबंधित सभी विकास कार्य कागजों के साथ धरातल में भी दिखाई देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने आवास व टेंट सिटी की तैयारी समय से पूरी करने एवं मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, एम्बुलेंस व मोबाइल चिकित्सा दल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कुंभ मेला हमारी संस्कृति, आस्था और करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा धार्मिक आयोजन है। इस आयोजन को सफल बनाना हम सभी का कर्तव्य है। जो भी श्रद्धालु राज्य में आए वह अच्छा अनुभव यहां से लेकर जाएं। बैठक में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, विधायक रेनू बिष्ट, विधायक अनुपमा रावत, विधायक रवि बहादुर, उत्तराखण्ड अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख सचिव एल. फैनई, आरके सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, सचिव नितेश झा, कुंभ मेलाधिकारी सोनिका सिंह एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड आज विकास और विरासत की यात्रा में आगे बढ़ रहा: योगी आदित्यनाथ

हरिद्वार,संवाददाता । योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को हरिद्वार दौरे पर रहे। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने सत्यमित्रानंद गिरी महाराज के समाधि स्थल पर विग्रह मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने संबोधन दिया। जिसमें योगी आदित्यनाथ ने कहा उत्तराखंड हमारी देवभूमि है। यहां के चारधाम वास्तव में भारत के आध्यात्मिक चेतना के आधार हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा उत्तराखंड आज विकास और विरासत की यात्रा में आगे बढ़ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा हमने इन 11 सालों में देश के अंदर व्यापक परिवर्तन देखा है। एक भारत और श्रेष्ठ भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास किये जा रहे हैं। योगी आदित्नाथ ने कहा अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज इन सभी से लेकर केदारपुरी और बदरीनाथ धाम, हरिद्वार तक विकास की नई गाथा विरासत को सरंक्षित करते हुए आगे बढ़ रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा आज भारत वास्तव में एक भौगोलिक टुकड़ा मात्र नहीं है। भारत की ऋषि परंपरा की तपस्या है। भारत किसी सत्ता की उपज नहीं है ।

योगी आदित्यनाथ ने कहा भारत ने जीवन का दर्शन दिया है। यहां संस्कृति केवल आस्था आस्था नहीं है। उन्होंने कहा भारत किसी एक तिथि में नहीं बना है। भारत किसी एक सत्ता की देन नहीं है। उन्होंने कहा सनातन भारत की चेतना का स्वाभाविक प्रवाह है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा धर्म कभी कमजोर नहीं होता है, उसे जानबूझकर कमजोर किया जाता है। उन्होंने कहा इतिहास साक्षी है जो राष्ट्र अपनी सभ्यता और संस्कृति की उपेक्षा करता है वह न वर्तमान को सुदृढ़ कर पाता है, न भविष्य को सुरक्षित कर पाता है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा वैदिक भारत एक आत्मनिर्भर सभ्यता का प्रतीक है। उन्होंने कहा ये राष्ट्र हमारे ऋषियों की तपस्या से, किसानों के श्रम से, कारीगरों की सृजनशीलता से खड़ा हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने कहा 2 हजार साल पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 44 फीसदी थी। 400 साल पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 25 फीसदी थी। ये सभी ऋषियों, किसानों, कारीगरों के बल पर थी। आज शासन पर हमारी निर्भरता हो गई। कारीगर गुला बना दिया गया है। किसान करदाता बन गया। योगी आदित्यनाथ ने ग्राम स्वराज की अवधारणा कोरी नहीं है। उन्होंने कहा हमें गांवों, किसानों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा गांव राष्ट्र की नींव हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा आज हमने अपने विरासत को समझा है। जिसके कारण हम दुनिया में पहचान बना रहे हैं। आज भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य नहीं है, यह भारत की आत्मा का केंद्र बिंदु भी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा एक समय था जब उत्तरप्रदेश में विरासत को कोसा जाता था। रामभक्तों पर गोलियां चलाई जाती थी, तब अपमान रामभक्त का नहीं, भारत की विरासत का होता था। तब उत्तरप्रदेश अराजकता का अड्डा था। यहां कोई सुरक्षित नहीं था। दंगों की आग में झुलसता था। आज विरासत का सम्मान हुआ है तो यहां की तस्वीर बदली है।

बजट सत्र तीन हफ्ते चलाएं, तभी होगी सार्थक बहस: कांग्रेस

हरिद्वार ,संवाददाता । आगामी बजट सत्र से पहले उत्तराखंड की सियासत में हलचल तेज हो गई है। हरिद्वार से जुड़े कांग्रेस विधायकों ने शुक्रवार को जिला प्रशासन के जरिये मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर विधानसभा के बजट सत्र की अवधि कम से कम तीन सप्ताह तक बढ़ाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सभी सार्थक बहस हो सकेगी। विधायकों का कहना है कि बजट सत्र की सीमित अवधि के कारण जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर न तो पर्याप्त चर्चा हो पाती है और न ही सरकार से ठोस जवाबदेही सुनिश्चित हो पाती है। विधायक रवि बहादुर ने कहा कि दूसरे राज्यों की तुलना में उत्तराखंड में विधानसभा सत्र अपेक्षाकृत कम समय तक चलता है। 70 विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं प्रभावी ढंग से उठाने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल और विधायी कार्यों के लिए पर्याप्त समय तय किया जाए, ताकि लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप गंभीर और विस्तृत बहस हो सके। कानून-व्यवस्था से लेकर जल संकट तक चर्चा हो इस ज्ञापन में विधायकों ने कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, वन्यजीव हमले, पेयजल संकट और आपदा पीड़ितों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को तत्काल चर्चा योग्य बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'हर घर नल' जैसी योजनाओं के बावजूद कई क्षेत्रों में पेयजल समस्या बरकरार है। पिछले वर्ष की आपदा से प्रभावित परिवार अब भी मुआवजे और पुनर्वास का इंतजार कर रहे हैं। यूपी के समय से लागू कानून बदले जाएं कांग्रेस विधायकों ने यह भी कहा कि उत्तराखंड में आज भी उत्तर प्रदेश काल के कई कानून लागू हैं, जिनको अब वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित किया जाना आवश्यक है। राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी लंबित विधायी सुधारों को बजट सत्र में प्राथमिकता से लाने की मांग की गई है। इस दौरान विधायक हाजी फुरकान अहमद, ममता राकेश, अनुपमा रावत समेत कई मौजूद रहे।

सम्पादकीय

नई दवाओं के विकास

अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि दवा कंपनियां नियमों में दी जा रही रियायत का बेज़ा फायदा ना उठाएं। भारत सरकार ने नई दवाओं के विकास के लिए हरी झंडी देने के नियम आसान बनाए हैं। इसके लिए नई औषधि एवं क्लीनिकल ट्रायल के 2019 में बने नियमों में बदलाव किया गया है। मकसद नई दवाओं के परीक्षण में लगने वाले समय को घटाना और संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। पहले ऐसे कार्यों के लिए केंद्रीय औषधि प्रमाणन नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस हासिल करना अनिवार्य था। अब कंपनियां कुछ श्रेणियों की दवाओं को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सीडीएससीओ को महज ऑनलाइन सूचना देकर परीक्षण शुरू कर सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस बदलाव से कम-से-कम 90 दिन की बचत होगी। दवा कंपनियां लंबे समय से ऐसे बदलाव की मांग कर रही थीं। विनियमन प्रक्रिया की धीमी गति को वे अपने लिए बड़ी रुकावट मानती रही हैं। अत: अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेज़ा फायदा ना उठाएं। हालांकि भारतीय दवा उद्योग की दुनिया में ऊंची साख है, लेकिन हाल के वर्षों में कंपनियों द्वारा विनियमन प्रक्रिया में ढिलाई का लाभ उठाने के कई मामलों सामने आए हैं। कफ सिरप जैसी दवाओं से मिलावट की घटनाओं से भारतीय औषधि उद्योग पर कलंक लगा है। आम धारणा है कि भारत में निगरानी की व्यवस्था पश्चिमी देशों में मौजूद विनियम से कमजोर है। इसी कारण भारत में बनी जेनरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं से अक्सर कमतर समझा जाता है। इसके बावजूद भारत में बनी दवाओं और वैक्सीन का दुनिया में बहुत बड़ा बाजार है, तो उसकी वजह इनका किफायती होना है। दवा उत्पादन के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के लिहाज से 14वें स्थान पर आता है। देश में तीन हजार से ज्यादा दवा कंपनियां और साढ़े दस हजार फैक्टरियां हैं। लगभग 60 जेनरिक ब्रांड यहां उत्पादित होते हैँ। इस कारोबार ने दशकों के दरम्यान इतना विशाल आकार ग्रहण किया है, तो उसमें विश्वसनीयता एक निर्णायक पहलू रही है। नए बदलावों के साथ इस पर कोई समझौता नहीं हो, इसे अवश्य सुनिश्चित करना होगा।

न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि

समस्या आनुपातिक समानता के नाम पर दशकों से चल रही वो राजनीति है, जिसमें न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि दे दी गई है। इस सोच ने समाज को पुरानी जकड़नों में और भी मजबूती से बांध डाला है। उच्च शिक्षण संस्थानों में कथित जातीय भेदभाव को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों ने नई सामाजिक हलचल पैदा कर दी है। इससे संबंधित अपने आरंभिक ड्राफ्ट में आयोग ने दो बदलाव किए। उससे ये मामला भड़का है। शुरुआती ड्राफ्ट में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ जातीय आधार पर भेदभाव के मामलों में कार्रवाई की प्रक्रिया शामिल थी। उसमें यह प्रावधान भी था कि गलत शिकायत दर्ज कराने वाले छात्र (या कर्मचारी) पर क्या कार्रवाई होगी। ड्राफ्ट का समाज के एक हिस्से की तरफ से विरोध हुआ। उसके दबाव में आकर यूजीसी ने एक तो संभावित उत्पीड़न का शिकार होने वाले समूहों में ओबीसी जातियों को शामिल कर दिया और दूसरे गलत शिकायत से संबंधित प्रावधान को हटा दिया। नतीजा सामान्य श्रेणी वर्ग में गहरे असंतोष के रूप में सामने आया है। इन समूहों की दलील है कि जाति आधारित भेदभाव का शिकार वो भी होते हैं। इस समझ के मुताबिक जातिगत भेदभाव ताकत एवं प्रभाव की स्थिति में मौजूद हर अधिकारी कर सकता है, भले वह किसी जाति से आया हो। उनके मुताबिक यूजीसी इक्विटी विनियमन 2026 की भाषा ऐसी है, जिससे संदेश जाता है कि हर मामले में उत्पीड़क सामान्य श्रेणी के लोग ही होते हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यूजीसी इस तर्क से सहमत नहीं है और जल्द ही वह इस बारे में स्पष्टीकरण जारी करेगा। अगर ये खबर सच है, तो अपेक्षित होगा कि यूजीसी फौरन ऐसा करे। वरना, ये विवाद एक नई सामाजिक अशांति का कारण बनता नजर आ रहा है। वैसे, इस तरह के मामलों में तमाम तरह के स्पष्टीकरणों की अपनी सीमा है। समस्या आनुपातिक समानता के नाम पर दशकों से चल रही वो राजनीति है, जिसमें न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि दे दी गई है। इस सोच ने समाज को पुरानी जकड़नों में और भी मजबूती से बांध डाला है।

सुरक्षित डिजिटल भविष्य: सावधानी, शिक्षा और सशक्त निगरानी की जरूरत

-सुनील कुमार महला

आज एआई का दौर है, सूचना क्रांति का युग है,जहाँ मशीनें मनुष्य सोच को नई उड़ान देती हैं।सच तो यह है कि आज के समय में ज्ञान, काम और रचनात्मकता सब बदल रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मानव और तकनीक मिलकर भविष्य गढ़ रहे हैं। वास्तव में यह युग है नवाचार, गति और असीम संभावनाओं का, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) ने जहां रचना और सूचना प्रसार को नई गति दी है, वहीं इसके दुरुपयोग भी गंभीर चिंता पैदा कर रखी है। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो डीपफेक वीडियो, नकली तस्वीरें और एआई से बनी झूठी सामग्री लोगों को धोखा दे रही हैं और उनकी बदनामी भी कर रही हैं। इससे साइबर ठगी बढ़ रही है और समाज में भ्रम फैल रहा है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि साइबर ठगी पर हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही है कि यह एक गंभीर और तेजी से बढ़ता अपराध है, जो आम लोगों की मेहनत की कमाई और भरोसे दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। अदालत ने इसे केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक खतरा बताते हुए सरकार और एजेंसियों को इससे सख्ती से निपटने की जरूरत पर जोर दिया है।इस क्रम में हाल ही में केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए नियम बहुत सख्त कर दिए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा तैयार हर फोटो, वीडियो पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा अगर इन प्लेटफॉर्म्स पर कोई गलत, गैर-कानूनी वीडियो या फोटो डाली जाती है, तो कंपनियों को उसे सूचना मिलने के सिर्फ तीन घंटे में हटाना होगा। गौरतलब है कि सरकार ने डीपफेक और एआई के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। यह नए नियम 20 फरवरी से लागू होंगे। उल्लंघन करने पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई एवं जुर्माना लग सकता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 10 फरवरी 2026 मंगलवार को सभी विभागों को यह निर्देश दिया कि लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सभी बैंक, आई4सी, विभाग सामूहिक प्रयास करें, ताकि ठगों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। इतना ही नहीं,केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने आरबीआई और गृह मंत्रालय द्वारा बनाए गए म्यूल अकाउंट हंटर ऐप को सभी बैंकों को अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने सीबीआई द्वारा गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4 सी) के सहयोग से आयोजित सम्मेलन के दौरान यह बात कही है कि देश में हर 37 सेकंड में एक व्यक्ति साइबर ठगों का शिकार बन रहा है। प्रति घंटे औसतन सौ लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। वर्ष 2021 में जहां 52 हजार शिकायतें थीं, वहीं अब यह संख्या 86 हजार हो गई है।गृह मंत्री ने कहा, जितनी तेजी से डिजिटल लेनदेन बढ़े हैं, उतनी ही तेजी से जोखिम बढ़ा है। पहले यह 'लोन वुल्फ अटैक' हुआ करता था, अब यह संगठित अपराध के रूप में सामने आ रहा है। अपराधी नई तकनीक अपना रहे हैं, इसलिए हमें सामूहिक प्रयास करने होंगे। गौरतलब है कि इस क्रम में यानी कि साइबर सुरक्षा के मद्देनजर 12 लाख सिम कार्ड भी रद्द किए गए हैं।इस दौरान श्री शाह ने 1930 के कॉल सेंटर पर पर्याप्त संख्या में कॉल हैंडलर तैनात करने के भी निर्देश दिए हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि साइबर धोखाधड़ी के विभिन्न खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने आईटी नियम, 2021 में जो नया बदलाव किया है, वह इंटरनेट को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक जरूरी और सही व सकारात्मक कदम है। जैसा कि इस आलेख में ऊपर भी चर्चा कर चुका हूं कि आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर मात्र तीन घंटे कर दी गई है। बहुत अच्छी बात यह है कि नए प्रावधानों के तहत एआइ कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है। नए नियमों का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि अब एआइ से बने कंटेंट को छिपाना आसान नहीं रहेगा। वास्तव में, डिजिटल सामग्री पर सही लेबल और पहचान चिह्न होने से आम आदमी यह समझ सकेगा कि जो वह देख रहा है, वह असली है या तकनीक से बनाई गई है। इससे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें और झूठी खबरें कम होंगी। खासकर चुनाव, सामाजिक मुद्दों और संवेदनशील घटनाओं के समय यह लोकतंत्र को सुरक्षित रखने में मदद करेगा।लेकिन सिर्फ नियम बना देना काफी नहीं है।यह भी बहुत ही ज़रूरी व आवश्यक है कि उन्हें सख्ती से पूरे देश में लागू भी किया जाए, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म बहुत ज़्यादा हैं और कंटेंट की मात्रा भी बहुत बड़ी है। यहां यदि हम आंकड़ों की बात करें तो भारत में आज डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंटेंट का दायरा तेज़ी से फैल चुका है। देश में 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूज़र हैं और स्मार्टफोन के ज़रिये डिजिटल खपत लगातार बढ़ रही है। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और एक्स (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म पर करोड़ों सक्रिय यूज़र रोज़ाना वीडियो, रील्स, न्यूज़, पॉडकास्ट और शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट देख रहे हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन वीडियो बाज़ारों में गिना जाता है, जहाँ औसतन एक यूज़र दिन में कई घंटे डिजिटल कंटेंट पर बिताता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म (नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, हॉटस्टार आदि) के सब्सक्राइबर भी करोड़ों में हैं, जबकि डिजिटल न्यूज़, क्रिएटर इकॉनमी और लोकल-भाषा कंटेंट की हिस्सेदारी तेज़ी से बढ़ी है। कुल मिलाकर, भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म आज सूचना, मनोरंजन, शिक्षा और रोज़गार-चारों के लिए एक मज़बूत आधार बन चुके हैं। इसलिए मजबूत तकनीकी निगरानी, प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी तय करना और नियम तोड़ने पर तुरंत कार्रवाई करना जरूरी है। अगर नियमों को हल्के में लिया गया, तो उनका कोई फायदा नहीं होगा।इसके साथ ही नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। लोगों को यह समझना होगा कि हर वायरल वीडियो या तस्वीर सत्य नहीं होती। जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि डिजिटल तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ-साथ डिजिटल धोखाधड़ी एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। फर्जी कॉल, फ़िशिंग लिंक, नकली ऐप, साइबर ठगी और डेटा चोरी जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनका सीधा असर आम नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा और भरोसे पर पड़ता है। यह समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि जागरूकता, कानून और साइबर सुरक्षा व्यवस्था से भी जुड़ी हुई है। जब तक उपयोगकर्ता सतर्क नहीं होंगे, डिजिटल साक्षरता नहीं बढ़ेगी और नियमों का सख्ती से पालन नहीं होगा, तब तक इस खतरे पर पूरी तरह अंकुश लगाना मुश्किल है। इसलिए सुरक्षित डिजिटल भविष्य के लिए सावधानी, शिक्षा और मजबूत निगरानी तंत्र तीनों अनिवार्य हैं।

जिम से निकल रहे हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या

-पुलिस जता रही गैंगवार की आशंका
-मृतक व्यक्ति हिस्ट्रीशीटर व मूल रूप से झारखंड का रहने वाला
-मृतक पर देश भर में 50 से अधिक हत्या व अन्य मुकदमें दर्ज

देहरादून । राजधानी दून में एक और हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। शुक्रवार सुबह 10 बजे के करीब एक व्यक्ति को गोली मारी गई है। सिल्वर सिटी मॉल के पास इस वारदात को अंजाम दिया गया है। थाना राजपुर पुलिस ने गोली मारे जाने की पुष्टि की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस की ओर से बताया गया है कि मृतक व्यक्ति हिस्ट्रीशीटर था और मूल रूप से झारखंड का रहने वाला था। फिलहाल वो देहरादून रह रहा था। विक्रम शर्मा (45 वर्ष) नाम का ये शख्स राजपुर रोड पर स्थित सिल्वर सिटी मॉल के जिम से बाहर आ रहा था जब उसको गोली मारी गई। उसको तुरंत अस्पताल लेकर जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच की जा रही है।

गोली मारकर हत्या करने की ये घटना राजधानी देहरादून के राजपुर रोड सिल्वर सिटी मॉल की है। विक्रम शर्मा निवासी सहस्त्रधारा रोड जिम में फिटनेस करके बाहर निकल रहा था। इसी दौरान दो हमलावर पैदल चलकर विक्रम के पास पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियां चला दी और वहां से फरार हो गए। उनका तीसरा साथी बाइक पर उनका इंतजार कर रहा था। काम होते ही बाकी दोनों भी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फॉरेंसिक टीम और एसटीएफ मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई।

राजधानी देहरादून में इस एक और हत्याकांड से हड़कंप मच गया है। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, एसएसपी अजय सिंह समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के सहारे जांच आगे बढ़ा रही है। हमलावरों की पहचान के प्रयास हो रहे हैं। पुलिस आपसी रंजिश या विवाद की आशंका भी जता रही है। सुबह 10.15 की घटना है। हमलावर दो से तीन लोग हैं। जिम से बाहर आते वक्त विक्रम पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं। मौके से उनको अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने विक्रम को मृत घोषित कर दिया। सीसीटीवी फुटेज की जांच हो रही है।

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि मृतक हिस्ट्रीशीटर है। उसपर 50 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। गैंगवार की आशंका भी है। हर एंगल से जांच की जा रही है। झारखंड पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है। एसएसपी ने ये

जानकारी भी दी है कि, मृतक विक्रम शर्मा के पास से एक पिस्टल भी बरामद हुई है। वो अपने साथ पिस्टल लेकर ही जिम से बाहर आ रहा था, लेकिन हमलावरों के सामने उसे पिस्टल निकालने का मौका नहीं मिल सका। बताया जा रहा है कि विक्रम शर्मा मूल रूप से झारखंड के जमदेशपुर का रहने वाला था। वो उत्तराखंड में प्रॉपर्टी डीलिंग और खनन बिजनेस से जुड़ा हुआ था। देहरादून में रेस कोर्स इलाके में उसका घर था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विक्रम शर्मा जिम करने के बाद सिल्वर सिटी मॉल की सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था। उसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उसे निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि तीन हमलावरों में से एक बाहर बाइक पर निगरानी कर रहा था। दो हमलावर मॉल के अंदर घुसे हुए थे। जैसे ही विक्रम सीढ़ियों से नीचे आया, हमलावर उसके करीब पहुंचे और उस पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां दाग दीं। हमले की रफ्तार इतनी तेज थी कि विक्रम अपने पास मौजूद लाइसेंसी पिस्टल तक नहीं निकाल सका। घटना के समय मॉल के अधिकतर शोरूम बंद थे, लेकिन सफाई का काम चल रहा था। गोलियों की आवाज सुनते ही वहां मौजूद कुछ महिलाएं और कर्मचारी घबराकर घटनास्थल की ओर दौड़े। तबतक हमलावर मौके से फरार हो चुके थे। फर्श पर खून बिखरा पड़ा था। जिम में मौजूद लोग व ट्रेनर सीढ़ियों की ओर पहुंचे। आनन-फानन में विक्रम को अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इसी दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। पूरे क्षेत्र को घेर लिया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। मॉल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में नाकेबंदी भी की है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। साथ ही झारखंड पुलिस से भी संपर्क साधा गया है। जिससे विक्रम के आपराधिक नेटवर्क और संभावित दुश्मनों की जानकारी जुटाई जा सके। प्रारंभिक जांच में ये मामला पुरानी रंजिश या आर्थिक लेनदेन से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। यह भी जांच का विषय है कि हमलावरों को विक्रम की दिनचर्या और जिम आने-जाने के समय की इतनी सटीक जानकारी कैसे मिली।

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि, विक्रम शर्मा मूल रूप से झारखंड का रहने वाला था। उत्तराखंड के काशीपुर में उसका स्टोन क्रशर का कारोबार था। इसके अलावा भी वह कई अन्य व्यवसायों से जुड़ा हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि विक्रम पर झारखंड में हत्या, वसूली और अन्य गंभीर धाराओं में 50 से अधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। ऐसी जानकारी मिल रही है कि उसके कई बड़े गैंगस्टर से भी संबंध रहे हैं। ऐसे में इस वारदात को आपसी रंजिश या गैंगवार के एंगल से भी देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि जून 2025 से विक्रम शर्मा सिल्वर सिटी मॉल के जिम में नियमित रूप से आ रहा था। वो पास के एक फ्लैट में रह रहा था। सवाल ये भी उठ रहा है कि इतने बड़े हिस्ट्रीशीटर की गतिविधियों की जानकारी क्या स्थानीय पुलिस को नहीं थी? यदि थी, तो उसकी सुरक्षा या निगरानी के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया? यह घटना कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है। देहरादून में हाल के दिनों में अपराध की घटनाओं में तेजी आई है। पिछले कुछ दिनों में पांच से अधिक गंभीर आपराधिक वारदातें सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस देहरादून को कभी शांत व सुरक्षित शहर माना जाता था। वहां इस तरह की दिनदहाड़े हत्याएं चिंता का विषय बन गई हैं। सिल्वर सिटी मॉल की यह वारदात न सिर्फ एक आपराधिक घटना है, बल्कि यह सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की सतर्कता पर भी गंभीर सवाल उठाती है। अब देखना होगा कि पुलिस कितनी तेजी से आरोपियों को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज हत्या का खुलासा कर पाती है। फिलहाल शहर में दहशत का माहौल है। लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

कंडी मार्ग से रोक हटने पर ऋतु का भव्य स्वागत

हरिद्वार । लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग (कंडी मार्ग) पर सुप्रीम कोर्ट से रोक हटने के बाद लोग उत्साहित हैं। शुक्रवार को लालढांग पहुंचीं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी का भव्य स्वागत किया गया। कंडी मार्ग के निर्माण से जुड़ी बाधा दूर होने पर लोगों ने आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर खंडूड़ी ने कहा कि सरकार की प्रभावी पैरवी के चलते सुप्रीम कोर्ट ने कंडी मार्ग पर लगी रोक हटाई। सरकार शीघ्र ही सड़क निर्माण से जुड़ी शेष औपचारिकताएं पूरी कर इसे आमजन के लिए खोलने की दिशा में कार्रवाई करेगी। यह सड़क बनने से उत्तराखंड के लोगों को प्रदेश के भीतर ही सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। मालूम हो कि लालढांग-कोटद्वार मार्ग के निर्माण पर वर्ष 2019 से रोक थी।

भूपतवाला में छह घंटे बिजली गुल, पानी का भी संकट

हरिद्वार । उत्तरी हरिद्वार के भूपतवाला क्षेत्र में शनिवार को छह घंटे की बिजली कटौती ने करीब 10 हजार की आबादी को परेशान किया। ऊर्जा निगम ने मरम्मत के चलते बिजली फीडर को दिन में बंद रखा, जिससे लोगों को बिजली के साथ पानी की किल्लत भी झेलनी पड़ी। ऊर्जा निगम ने भूपतवाला बिजलीघर के ससरोवर फीडर पर एलटी कैपेसिटर बैंक लगाया। इस कारण सुबह 10:30 बजे बिजली आपूर्ति बंद की गई, जो शाम 4:30 बजे के बाद सुचारु हो सकी। दिन में छह घंटे की कटौती से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित रहीं। छोटे दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ा, जबकि महिलाओं को घरेलू कार्यों में दिक्कत आई। बिजली बंद रहने से पानी की सप्लाई भी ठप हो गई। लोग वैकल्पिक व्यवस्था करते नजर आए। दुधाधारी चौक, जम्मू यात्री भवन वाली गली, शिवनगर, भारत माता पुरम, आरटीओ चौक और मस्तराम गली सहित कई इलाकों में लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। ईई दीपक सैनी ने बताया कि 27 फरवरी तक मरम्मत का काम होगा। न्यू टिबड़ी क्षेत्र में कल फिर कटौती ऊर्जा निगम सोमवार को औद्योगिक क्षेत्र बिजलीघर के न्यू टिबड़ी फीडर पर एलटी कैपेसिटर बैंक लगाएगा। इसके लिए सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान शिवलोक कॉलोनी, औद्योगिक क्षेत्र, फॉरेस्ट कॉलोनी, भभूतावाला बाग, टिबड़ी, संजय नगर, लौधामंडी, इंद्रा बस्ती और वाटर वर्क्स कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति ठप रहेगी।

व्यापार मंडल ने पीड़िता के लिए मांगा इंसाफ

हरिद्वार । ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में व्यापार मंडल ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। व्यापारी संदीप गोयल और समाजसेवी गुलशन खत्री ने शनिवार को प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि पुलिस पीड़ित परिवार को अपेक्षित सहयोग नहीं दे रही है। परिवार न्याय के लिए भटक रहा है और आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने चेताया कि यदि तीन दिन में सुनवाई नहीं होती तो देहरादून में उच्च अधिकारियों के समक्ष पूरा मामला रखा जाएगा। पीड़िता के परिजनों के अनुसार, 30 दिसंबर 2025 को एक युवक ने बालिका के साथ गलत कृत्य किया। इसकी जानकारी 7 फरवरी को सामने आई, जिसके बाद ज्वालापुर कोतवाली में तहरीर दी गई। परिजनों का आरोप है कि कोर्ट में गलत बयान दिलवाया गया और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

कांवड़िए की बाइक में आग लगने से अफरा तफरी मची

हरिद्वार । उत्तरी हरिद्वार के खड़खड़ी क्षेत्र में शनिवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कांवड़िए की बाइक में बीच सड़क पर आग लग गई। देखते ही देखते लपटें उठने लगीं और मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई। गनीमत रही कि कांवड़ियों की भीड़ के बीच यह घटना होने के बावजूद कोई अनहोनी नहीं हुई। फायर ब्रिगेड पहुंचने से पहले ही बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। एसएफओ बीरबल सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। वाहन स्वामी की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बाइक चलते समय ही आग की चपेट में आ गई। फायर कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर जली हुई बाइक को सड़क किनारे हटाया, तब जाकर यातायात सुचारु हो सका।

हरिद्वार में दिन का पारा 26 डिग्री तक दर्ज

हरिद्वार । धर्मनगरी में तेज धूप ने ठंड से राहत दिलानी शुरू कर दी है। दिन में तपिश के कारण सर्दी का अहसास कम हो गया है। सुबह से शाम तक साफ आसमान के चलते तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आईआईटी रुड़की की कृषि मौसम वेधशाला के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम 10.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस था। इस प्रकार एक दिन में अधिकतम तापमान में दो डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। फरवरी में तापमान के साथ धूप की तीव्रता भी बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

विराट हिन्दू सम्मेलन में एकजुटता का दिया संदेश

हरिद्वार । कनखल की दक्ष बस्ती में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन में हिंदू समाज की एकजुटता पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि जो भी देशप्रेम और राष्ट्रहित की भावना रखता है, वही भारत का सच्चा हिंदू है। श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे। उन्होंने हिंदू समाज से सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। महिला वक्ता के रूप में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसडर शमनु शिवपुरी ने महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता पंचायती अखाड़ा निर्मल के कोठारी महंत जसविंदर शास्त्री ने की। इस अवसर पर रामानंद आश्रम के महंत प्रेमदास भी मौजूद रहे। आशीष भारद्वाज संयोजक, प्रशांत शर्मा सह संयोजक और प्रतीक मिश्रपुरी संरक्षक की भूमिका में दिखे। शिवानी गौड़ और विजेयता शर्मा ने संचालन किया।

परमात्मा शिव मानव को देव समान बनने की दे रहे शिक्षा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

महाशिवरात्रि का महापर्व कई आध्यात्मिक रहस्यों को समेटे हुए है। यह पर्व सभी पर्वों में महान और श्रेष्ठ है, क्योंकि शिवरात्रि परमात्मा के दिव्य अवतरण का यादगार महापर्व है। परमात्मा ने श्रीमद् भागवत गीता में कहा है कि यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥ परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ॥

वास्तव में अब नई सृष्टि के सृजन का संधिकाल चल रहा है। इसमें सृष्टि के सृजनकर्ता स्वयं नवसृजन की पटकथा लिख रहे हैं। वह इस धरा पर आकर मानव को देव समान स्वरूप में खुद को ढालने का गुरुमंत्र राजयोग सिखा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात दुनिया की यह सबसे बड़ी और महान घटना बहुत ही गुप्त रूप में घटित हो रही है। वक्त की नजाकत को देखते हुए जिन्होंने इस महापरिवर्तन को भाप लिया है वह निराकार परमात्मा की भुजा बनकर संयम के पथ पर बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या एक दो नहीं बल्कि लाखों में है। इन्होंने न केवल परमात्मा की सूक्ष्म उपस्थिति को महसूस किया है वरन इस महान कार्य के साक्षी भी बन रहे हैं।

शिव पर अर्पित करे

महाशिवरात्रि पर्व पर हम शिवालयों में अक-धतूरा, भांग, आदि अर्पित करते हैं। इसके पीछे आध्यात्मिक रहस्य यह है कि जीवन में जो कांटों के समान बुराइयां हैं, गलत आदतें हैं, गलत संस्कार हैं, कांटों के समान बोल, गलत बोल- सोच को आज के दिन शिव पर अर्पण कर मुक्त हो जाएं। हम दुनिया में देखते हैं कि दान की गई वस्तु वापस नहीं ली जाती है, इसी तरह परमात्मा पर आज के दिन अपने जीवन की कोई एक बुराई जो हमें आगे बढने से रोक रही है, सफलता में बाधक है उसे शिव को सौंपकर मुक्त हो जाएं। अपने जीवन की समस्याएं, बोझ उन्हें सौंप दें। फिर आपकी जिम्मेदारी परमात्मा की हो जाएगी। एक बच्चे का हाथ जब उसके पिता पकड़कर चलते हैं तो वह निश्चिंत रहता है, इसी तरह हम भी यदि खुद को परमात्मा को सौंपकर जीवन में चलते हैं तो सदा निश्चिंत रहते हैं। अपने पांच खोटे सिक्के अर्थात् काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार को प्रभु को अर्पण कर रोज ईश्वर के दर पर आना ही महाशिवरात्रि का संदेश है।

ज्योतिर्बिंदु स्वरूप हैं परमात्मा

भारत में 12 ज्योतिर्लिंग प्रसिद्ध हैं और गली-गली में शिवालय बने हुए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वह परमपिता परमात्मा कभी इस सृष्टि पर आएं हैं और विश्व कल्याण का कार्य किया है, तभी तो हम उन्हें याद करते हैं। परमात्मा का स्वरूप ज्योतिर्बिंदु है। श्रीमद्भ भगवत गीता से लेकर महाभारत, शिवपुराण, रामायण, यजुर्वेद, मनुस्मृति सभी में कहीं न कहीं परमात्मा के अवतरण की बात कही गई है। किसी भी धर्म ग्रंथ में परमात्मा के जन्म लेने की बात नहीं है। हर जगह प्रकट होने, अवतरण पर परकाया प्रवेश की बात को ही इंगित किया गया है। क्योंकि परमात्मा का अपना कोई शरीर नहीं होता है। वह परकाया प्रवेश कर नई सतयुगी सृष्टि की स्थापना का दिव्य कार्य कराते हैं। यहां तक कि शिवपुराण में स्पष्ट लिखा है कि मैं ब्रह्मा के ललाट से प्रकट होऊंगा। शिव जन्ममरण से न्यारे हैं। ब्रह्मा, विष्णु और शंकर के भी रचयिता त्रिमूर्ति हैं, जिन्हें हम परमात्मा शिव कहते हैं।

शिव और शंकर में है महान अंतर

परमपिता शिव और शंकरजी में महान अंतर हैं। शिवजी और शंकरजी में वही अंतर है जो एक पिता-पुत्र में होता है। इस सृष्टि के विनाश कराने के निमित्त परमात्मा ने ही शंकरजी को रचा। यहीं नहीं ब्रह्मा, विष्णु, शंकरजी के रचनाकार, सर्वशक्तिमान, सर्वोच्च सत्ता, परमेश्वर शिव ही हैं। वह ब्रह्मा द्वारा सृष्टि की स्थापना, शंकर द्वारा विनाश और विष्णु द्वारा पालना कराते हैं। शिवलिंग परमात्मा शिव की प्रतिमा है।

परमात्मा निराकार ज्योति स्वरूप हैं। शिव का अर्थ है कल्याणकारी और लिंग का अर्थ है चिंह्न। अर्थात् कल्याणकारी परमात्मा को साकार में पूजने के लिए शिवलिंग का निर्माण किया गया। शिवलिंग को काला इसलिए दिखाया गया क्योंकि अज्ञानता रूपी रात्रि में परमात्मा अवतरित होकर अज्ञान-अंधकार मिटाते हैं। परमपिता परमात्मा शिव 33 करोड़ देवी-देवताओं के भी महादेव एवं समस्त मनुष्यात्माओं के परमपिता हैं। सारी सृष्टि में परमात्मा को छोड़कर सभी देवी-देवताओं का जन्म होता है। जबकि परमात्मा का दिव्य अवतरण होता है। वे अजन्मा, अभोक्ता, अकर्ता और ब्रह्मलोक के निवासी हैं। शंकरजी का आकारी शरीर है। शंकरजी, परमात्मा शिव की रचना हैं। यही वजह है कि शंकर हमेशा शिवलिंग के सामने तपस्या करते हुए दिखाए जाते हैं। ध्यानमग्न शंकरजी की भाव-भंगिमाएं एक तपस्वी के अलंकारी रूप हैं। शंकर और शिव को एक समझ लेने के कारण हम परमात्म प्राप्तियों से वंचित रहे। अब पुन: अपना भाग्य बनाने का मौका है।

शिवलिंग पर तीन रेखाएं ही क्यों?

शिवलिंग पर तीन रेखाएं परमात्मा द्वारा रचे गए तीन देवताओं की ही प्रतीक हैं । परमात्मा शिव तीनों लोकों के स्वामी हैं। तीन पत्तों का बेलपत्र और तीन रेखाएं परमात्मा के ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के भी रचयिता होने का प्रतीक हैं। वे प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा सतयुगी दैवी सृष्टि की स्थापना, विष्णु द्वारा पालना और शंकर द्वारा कलियुगी आसुरी सृष्टि का विनाश कराते हैं। इस सृष्टि के सारे संचालन में इन तीनों देवताओं का ही विशेष अहम योगदान है।

शिव के साथ क्या है रात्रि का संबंध...?

विश्व की सभी महान विभूतियों के जन्मोत्सव मनाए जाते हैं, लेकिन परमात्मा शिव की जयंती को जन्मदिन न कहकर शिवरात्रि कहा जाता है, आखिर क्यों? इसका अर्थ है परमात्मा जन्ममरण से न्यारे हैं। उनका किसी महापुरुष या देवता की तरह शारीरिक जन्म नहीं होता है। वह अलौकिक जन्म लेकर अवतरित होते हैं। उनकी जयंती कर्त्तव्य वाचक रूप से मनाई जाती है। जब- जब इस सृष्टि पर पाप की अति, धर्म की ग्लानि होती है और पूरी दुनिया दु:खों से घिर जाती है तो गीता में किए अपने वायदे अनुसार परमात्मा इस धरा पर अवतरित होते हैं।

शिव कौन हैं?

भारत देश 33 करोड़ देवी देवताओं का देश है। परन्तु इन सभी देवताओं को बनाने वाले एक ही परमपिता परमात्मा शिव है । जिसकी अनेक धर्मों, अनेक रूपों में भले ही पूजा की जाती हैं। परन्तु उसका केन्द्र बिन्दु परमात्मा शिव के पास ही जाकर समाप्त होता है। परमात्मा शिव देवों के भी देव महादेव, ब्रहा, विष्णु, शंकर के भी रचयिता त्रिमूर्ति, तीनों लोकों को के मालिक त्रिलोकीनाथ, तीनों कालों को जानने वाले त्रिकालदर्शी हैं। विश्व की सभी आत्माओं के परमपिता परमात्मा शिव हैं। परमात्मा जन्ममरण से न्यारे हैं । उनका जन्म नहीं होता बल्कि परकाया प्रवेश होता है। परमपिता शिव अजन्मा हैं, अभोक्ता, ज्ञान के सागर हैं, आनंद के सागर हैं, प्रेम के सागर, सुख के सागर हैं। उनका स्वरूप ज्योतिर्बिन्दु है। परमात्मा शिव परमधाम के निवासी है। शिव का अर्थ ही है 'कल्याणकारी। परमात्मा शरीरधारी नहीं है। इसका मतलब ये नहीं कि उनका कोई आकार नहीं। बल्कि स्थूल आंखों से न दिखने वाला सूक्ष्म ज्योति स्वरूप है। परमात्मा शिव को सभी ग्रंथों, पुराणों और वेदों में भी सर्वोपरी ईश्वर माना गया हैं।

मेरा जन्म दिव्य और अलौकिक है

गीता में भगवान के महावाक्य हैं- मेरा जन्म दिव्य और अलौकिक है। मैं सूर्य, चांद और तारागण के भी पार परमधाम का वासी हूं। परमात्मा कहते हैं कि मैं प्रकृति को वश करके इस लोक में सतधर्म की स्थापना करने और प्राय: लुप्त हुआ ज्ञान सुनाने आता हूं। वत्स तू मन को मुझ में लगा। मैं तुझे सब पापों से मुक्त करुंगा, मैं तुम्हें परमधाम ले चलूंगा। अब सवाल उठता है कि वह लुप्त हुआ ज्ञान क्या है? यदि वर्तमान में दिया जा रहा ज्ञान सही है तो फिर परमात्मा को इस धरा पर क्यों आना पड़ता है? आखिर इस सृष्टि में सत्य ज्ञान क्यों और कैसे लुप्त हो जाता है? सत्य ज्ञान से मनुष्य दूर क्यों हो जाते हैं? इन सवालों के जवाब स्वयं परमात्मा राजयोग की शिक्षा के आधार पर देते हैं।

जहां सत्य ज्ञान है वहां पवित्रता है

आध्यात्मिकता स्वयं की रुचि, पुरुषार्थ और लगन से ही संभव है। आत्मा में सत्य से शक्ति आती है। इस विद्यालय में आत्मा को सुंदर पवित्र बनाने की शिक्षा दी जाती है। हम हर एक अपने जीवन के मालिक बनें।

योगी बनना अर्थात् योग्य बनना। भगवान के बच्चे कहलाने लायक बनना। खुद के जीवन को सुधार कर दूसरों के लिए शुभभावना रखें। हम ईश्वर के बच्चे हैं इस स्वमान में रहने की जरूरत है। आज हम हर बात को विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही अपनाते हैं तो धर्म के मामले में अंधश्रद्धा क्यों? जहां सत्य ज्ञान है वहां पवित्रता है और स्वच्छता है। शास्त्रों में वर्णित धर्म की अतिग्लानि का यह वही समय है। इस समय ही स्वयं परमपिता परमात्मा आकर मानव को फिर से देव बनने की शिक्षा देते हैं। यदि हम पवित्र बनें तो इस भूमि पर स्वर्ग आने में देरी नहीं लगेगी।

तेजी से बदल रहा दुनिया का परिदृश्य

सृष्टि का शाश्वत नियम है कि कोई भी चीज हमेशा अपने मूल स्वरूप में नहीं रहती है। बदलाव या परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जैसे- दिन के बाद रात और रात के बाद दिन का आना तय है, उसी तरह सृष्टि चक्र में सतयुग के बाद त्रेतायुग, द्वापरयुग और फिर कलियुग क्रम से आना तय है। चाहे प्रकृति का बिगड़ता संतुलन हो या समाज से विलुप्त होतीं मानवीय संवेदनाएं और गिरता नैतिक चरित्र, कहीं न कहीं विश्व परिवर्तन का स्पष्ट इशारा कर रही हैं। समय रहते इसे गंभीरता से समझने की जरूरत है। क्योंकि यह बदलाव ईश्वरीय संविधान का हिस्सा है, जो मानव के हित में है।

धर्मग्लानि के जो चिंह्न शास्त्रों में बताए गए हैं वर्तमान में दुनिया की स्थिति उससे भी दयनीय और गंभीर हो गई है। मनुष्य का नैतिक और चारित्रिक रूप से इतना पतन हो चुका है कि ऐसे कार्यों का तो शास्त्रों, वेद-ग्रंथों तक में उल्लेख नहीं है।

3सृष्टि के आदि में प्रकृति अपने मूल स्वरूप में थी। सतोप्रधान थी। हर तत्व सुखदायी था। समय के साथ प्रकृति भी बदलती गई। उसके पांचों तत्वों में मानवीय दोहन से विकृत होना शुरू हो गया। आज असमय ही बाढ़, भूकंप, तूफान, आगजनी आम बात हो गई है। ये सभी बातें प्रकृति के बदलाव अर्थात् परिवर्तन की ओर संकेत कर रही हैं। संहार के बाद नवसृजन सृष्टि चक्र का नियम है।

हरिद्वार-रुड़की महायोजना 2041 पर राज्य सचिवालय में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अंतर्गत उत्तराखंड में नियोजित, संतुलित एवं सतत शहरी विकास को गति देने के उद्देश्य से आवास विभाग द्वारा लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अमृत 1.0 योजना के अंतर्गत प्रस्तावित हरिद्वार एवं रुड़की महायोजना-2041 के प्रारूप पर आज राज्य सचिवालय, देहरादून में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

भविष्य के शहरों का रोडमैप

बैठक में हरिद्वार एवं रुड़की क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए महायोजना के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें भूमि उपयोग, आवासीय एवं औद्योगिक क्षेत्रों का संतुलित विकास, यातायात प्रबंधन, आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण तथा सार्वजनिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्राथमिकता दी गई। शशि मोहन श्रीवास्तव, चीफ टॉउन एंड कन्ट्री प्लॉनर ने इस योजना की बावत सभी महत्वपूर्ण जानकारी सचिव आवास डॉ आर राजेश कुमार से साझा की। शशि मोहन श्रीवास्तव द्वारा महायोजना के प्रारूप की विस्तृत प्रस्तुति देते हुए अब तक की गई कार्यवाही और आगामी चरणों की जानकारी दी गई।

सार्वजनिक सहभागिता को मिला विशेष महत्व

उल्लेखनीय है कि हरिद्वार एवं रुड़की महायोजना-2041 के प्रारूप पर सार्वजनिक सुनवाई की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की जा चुकी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत हरिद्वार महायोजना के लिए लगभग 350 तथा रुड़की महायोजना के लिए लगभग 550 सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। बैठक के दौरान इन सभी आपत्तियों एवं सुझावों पर बिंदुवार चर्चा करते हुए उनके निस्तारण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने पर मंथन किया गया। आवास सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से प्राप्त प्रत्येक सुझाव का गंभीरता, पारदर्शिता एवं नियमानुसार परीक्षण किया जाए, ताकि महायोजना जनअपेक्षाओं के अनुरूप और व्यावहारिक बन सके।

नियोजित विकास से सशक्त होगा हरिद्वार-रुड़की क्षेत्र

आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बैठक के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार उत्तराखंड के शहरों को आधुनिक, सुव्यवस्थित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हरिद्वार एवं रुड़की महायोजना-2041 का उद्देश्य केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पर्यावरण संरक्षण, बेहतर यातायात व्यवस्था, सुदृढ़ आधारभूत ढांचा और नागरिकों को उच्च जीवन स्तर प्रदान करना भी शामिल है। सार्वजनिक सुनवाई के माध्यम से प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों को गंभीरता से लिया गया है, ताकि महायोजना वास्तविक जरूरतों को प्रतिबिंबित कर सके। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए महायोजना को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए, जिससे क्षेत्र के नियोजित एवं सतत विकास को नई गति मिल सके।

शीघ्र अनुमोदन की दिशा में कार्रवाई

बैठक के अंत में आवास सचिव द्वारा नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि महायोजना-2041 को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में समयबद्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि इसे शीघ्र शासन स्तर पर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि महायोजना का प्रभावी क्रियान्वयन आने वाले वर्षों में हरिद्वार एवं रुड़की को आधुनिक शहरी केंद्र के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल गढ़वाल सभा ने धूमधाम से मनाया 75वाँ स्थापना दिवस समारोह

देहरादून (संवाददाता)। अखिल गढ़वाल सभा देहरादून का 75वाँ स्थापना दिवस आईआरडीटी सभागार में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि सभा के संरक्षक व एसआरएचयू के अध्यक्ष डा. विजय धस्माना ने दीप प्रज्वलन कर की। शुभारंभ अवसर पर इरा कुकरेती और विद्यार्थियों ने शिव ताण्डव स्तोत्र की भव्य प्रस्तुति दी। इसके बाद टाइनी स्कूल के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गुरु श्रद्धा बछेती के शिष्यों ने सुन्दर गढ़वाली नृत्य प्रस्तुत किया। निर्मला बिष्ट के नेतृत्व में महिला मंच की बहनों ने थड़िया चौंफला नृत्य पेश किया। उत्तराखंड की सुप्रसिद्ध लोकगायिका संगीता ढौंडियाल ने अपने लोकप्रिय गीत तैं दिल्ली गुजरात और ढोल दमाऊ बजी गेना प्रस्तुत किया। इसके बाद अजबपुर की महिलाओं ने चौंफला लोकनृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही तारेश्वरी भंडारी के नेतृत्व में मोहनपुर क्षेत्र की बहनों ने भी थड़िया नृत्य प्रस्तुत किया। पद्मश्री बसंती बिष्ट ने अपने शिष्यों के साथ झोड़ा नृत्य प्रस्तुत किया। आलोक मालासी ने गढ़वाली गीत प्रस्तुत किया, कवयित्री नीता कुकरेती ने सुन्दर गीत प्रस्तुत किया। कुलानंद घनशाला ने गढ़वाली कविता प्रस्तुत की। भगवान प्रसाद घिल्ड़याल ने पावन पवित्र धाम जै का बद्री केदार गीत प्रस्तुत किया। टाइनी स्कूल के विद्यार्थियों ने गढ़वाली लोकनृत्य प्रस्तुत किया और साथ ही बवस तवबा बीववस के विद्यार्थियों ने सुन्दर जागर पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निखिल सकलानी ने सुंदर गढ़वाली गीत प्रस्तुत किया। इससे पहले मुख्य अतिथि विजय धस्माना ने सभा की प्रशंसा करते हुए हीरक जयंती की बधाई देते हुए सभा को एसआरएचयू की तरफ से हरसम्भव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष रोहन धस्माना ने कहा कि यह सभा की हीरक जयंती वर्ष है और इस वर्ष अक्टूबर माह में 10 दिवसीय कौथिग के आयोजन के अतिरिक्त पूरे वर्ष विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। महासचिव गजेंद्र भंडारी ने कहा कि इस वर्ष नवादा भूमि पर भवन का विस्तार किया जाएगा।

भट्ट ने जोशीमठ ओबीसी जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने का मुद्दा संसद में उठाया!

देहरादून (संवाददाता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने जोशीमठ की ओबीसी जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने का विषय केंद्र के समक्ष उठाया हैं। संसद के पटल पर छावनी बोर्ड को लेकर पूछे सवाल के ज़बाब में केंद्र ने सिविल क्षेत्रों को नगरपालिका में शामिल करने की प्रक्रिया को चुनाव और निधि आवंटन में देरी का कारण बताया है। उनके द्वारा राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान लंबे समय से लंबित चमोली जोशीमठ क्षेत्र के ओबीसी की इस मांग को उठाया गया। सदन के माध्यम से उन्होंने केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराए हुए कहा, उत्तराखण्ड राज्य के चमोली जनपद स्थित जोशीमठ क्षेत्र के पैनखण्ड क्षेत्र की 73 जातियों को राज्य सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में अधिसूचित किया गया हैं। किंतु उन्हें अभी तक भारत सरकार की केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है। जबकि जोशीमठ के पैनखण्डा समुदाय को ओबीसी की केन्द्रीय सूची में शामिल करने की बेहद आवश्यकता है। जो न केवल हमारे प्रदेश के सामाजिक आर्थिक ढांचे से जुडा है बल्कि यह हमारे संविधान की मूल भावना को भी समर्पित है, जो समता, न्याय और अवसर की समानता पर आधारित है।

उन्होंने इस विषय से प्रभावित लोगों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय सूची में सम्मिलित न होने के कारण संबंधित समुदायों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक छात्रवृत्ति, योजनाओं रोजगार के अवसरों तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। जबकि राज्य में पहले से ही कई समुदाय ओबीसी श्रेणी में शामिल हैं और पैनखण्डा समुदाय भी उसी समानता की उम्मीद करता है। यह विषय सामाजिक न्याय के सिद्धांतों तथा संविधान के अनुच्छेद 15 (4) एवं 16 (4) की भावना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार द्वारा की गई अनुशंसाओं के बावजूद इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। वहीं विश्वास जताते हुए कहा कि जोशीमठ के पैनखण्डा समुदाय को ओबीसी की केन्द्रीय सूची में शामिल करने से न केवल इस समुदाय को लाभ मिलगा बल्कि यह समाज के समग्र विकास की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम होगा। जिसके लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री से अनुरोध करते हुए कहा कि जोशीमठ क्षेत्र की संबंधित अन्य पिछड़ा वर्ग की जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में सम्मिलित करने हेतु शीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाए।

इसी तरह एक अन्य महत्वपूर्ण विषय को उठाते हुए उनके द्वारा छावनी बोर्डों के लंबित चुनाव और वित्त आयोग द्वारा इन बोर्डों को दिए जाने वाले अनुदान को लेकर सवाल पूछा गया।

भाजपा ने की अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान भूमि आवंटन रद्द करने की मांग, सीएम से मिले चमोली

देहरादून (संवाददाता)। भाजपा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सैन्य सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल धौलास में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान के लिए दी जमीन का आवंटन रद्द करने का आग्रह किया है। इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता श्री विनोद चमोली से मुलाकात में सीएम ने शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया है। पार्टी और सरकार ऐसी किसी भी विधर्मी मंशा को देवभूमि में सफल नहीं होने देंगे। पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को मुलाकात की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी अपने विशेष वोट बैंक के लालच में लगातार देवभूमि के देववत्व को खराब करने का प्रयास करती रही है। ये नया खुलासा तो इसकी एक बानगी है। विवादित जमीन अल्पसंख्यक संस्थान को तिवारी सरकार में दी गई थी, जबकि आईएमए की सुरक्षा और उनके विरोध को दरकिनार किया गया। लेकिन जब 2022 में मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने का विषय उठा तो सभी को चिंता हुई कि वहां यूनिवर्सिटी कैसे और कहां बन सकती है? जब यह समूचा प्रकरण सामने आया, तब चुनावी राजनीतिक माहौल था। हमने विरोध किया और जनता ने कांग्रेस को चुनाव में हरा दिया। आज यह प्रकरण पुन: इस तरह सामने आया तो समझ में आया कि 2022 में मुस्लिम यूनिवर्सिटी की बात का आधार ही यह जमीन था। उसके बाद यह लोग लैंड यूज चेंज करने के लिए हाई कोर्ट गए और हाई कोर्ट ने मना कर दिया। लेकिन अब यह जमीन खुर्द बुर्द की जा रही है और समुदाय विशेष के लोगों को दी जा रही है। उन्होंने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि वहां पर आईएमए है, देश की सुरक्षा का प्रश्न है, देश की सेवा के अफसर वहां तैयार किए जाते हैं। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में इस भूमिका के लिए ज़मीन देना पूरी तरह से गलत था। उस भूमि पर धर्म विशेष की यूनिवर्सिटी बनाना और अब समुदाय विशेष के लोगों को वहां बसाना उससे भी बड़ा गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण विषय है। उन्होंने जानकारी दी कि इस संबंध में उनकी मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी से मुलाकात हुई है। जिसमें उन्होंने मांग की कि विवादित जमीन को तत्काल सरकारी कब्जे में लेकर, आवंटन रद्द किया जाए। जिसपर मुख्यमंत्री ने गंभीरता दिखाते हुए शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया है। चमोली ने कहा कि भाजपा संगठन और सरकार किसी भी कीमत पर देवभूमि में विधर्मियों की मंशा को सफल नहीं होने देंगे।

कनखल में घर से थोड़ी दूर झाड़ियों में मिला किशोर का शव, दो दिनों से था लापता

हरिद्वार । कनखल इंद्रा बस्ती में श्रीयंत्र मंदिर के पास एक नाबालिग बच्चे का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 15 वर्षीय कुणाल सैनी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया जा रहा है और कुणाल के दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक रोहताश सैनी मूलरूप से लक्सर के रहने वाले हैं और पिछले कई सालों से वो कनखल की इंद्रा बस्ती में रह रहे थे। दो दिन पहले उनका 15 वर्षीय बेटा कुणाल सैनी घर से टहलने के लिए निकला था और परिजनों को बताया कि वो थोड़ी देर में वापस आ जाएगा। रात तक घर नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए। परिजनों आसपास के लोगों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की, लेकिन उसका कोई पता नहीं लगा। जब कहीं कुछ पता नहीं चल पाया तो उन्होंने कनखल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने भी बच्चे की खोजबीन में जुटी थी। घर से थोड़ी ही दूरी पर श्रीयंत्र मंदिर के पास झाड़ियों में कुणाल का शव पाया गया। शव मिलने की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। शव को देखकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि किशोर के मौत के कारणों की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चल पाएगी। गहनता से मामले की जांच जारी है, जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

बाल्टिक देशों में सनातन संस्कृति का विस्तार, विलनियस में गायत्री यज्ञ

हरिद्वार । अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रतिनिधि डॉ. चिन्मय पंड्या ने लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में वैदिक विधि से गायत्री यज्ञ कराया। वे देवसंस्कृति विवि के प्रति कुलपति भी हैं। विलनियस स्थित बैलेंस सेंटर में आयोजित इस यज्ञ में स्थानीय लोग, भारतीय समुदाय और गायत्री परिवार से जुड़े सदस्यों ने भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चार और अग्नि में आहूति से 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' की भावना के साथ शांति, सकारात्मक ऊर्जा और पवित्र चेतना का संदेश दिया गया। डॉ. पंड्या ने कहा कि ऐसे आयोजन पूर्व और पश्चिम के बीच सांस्कृतिक-आध्यात्मिक सेतु को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बाल्टिक क्षेत्र में वैदिक परंपराओं के प्रति बढ़ती जागरूकता और रुचि का प्रमाण है। इसके जरिये शांतिकुंज हरिद्वार और देवसंस्कृति विवि के वैश्विक दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया गया।

यतींद्रानंद गिरि की जूना अखाड़े में वापसी

हरिद्वार । श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर श्रीमहंत यतींद्रानंद गिरि का निष्कासन हटा दिया गया है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत मोहन भारती ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों कथित रूप से अखाड़ा विरोधी गतिविधियों के चलते महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि को निष्कासित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि के निर्देश पर वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत प्रेमगिरि की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई। इस समिति में वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत उमाशंकर भारती, महामंत्री श्रीमहंत महेश पुरी, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि और श्रीमहंत निरंजन भारती को शामिल किया गया। जांच में पाया गया कि यतींद्रानंद गिरि पर लगे आरोप भ्रामक और तथ्यहीन थे। जांच समिति की संस्तुति के आधार पर निष्कासन खत्म करते हुए उनको जूना अखाड़े में दोबारा शामिल किया गया। श्रीमहंत मोहन भारती ने कहा कि महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि की वापसी उनकी प्रतिष्ठा और सम्मान के अनुरूप हुई है।

राजभर को राष्ट्रीय सचिव बनाने का प्रस्ताव पारित

हरिद्वार । अखिल भारतीय ओबीसी महासभा की उत्तराखंड इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामवचन राजभर को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। इसके साथ ही, उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष पद के लिए सियाशरण यादव के नाम का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति पारित हुआ। प्रांतीय कार्यालय में रविवार को आयोजित बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष विजय सिंह पाल ने की। इस बैठक में यूजीसी की नई नियमावली के समर्थन में भी प्रस्ताव पारित किया गया। निर्णय लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट में इस कानून से जुड़ी लंबित याचिका की सुनवाई तीन जजों की पीठ के समक्ष कराए जाने की मांग की जाएगी, जिसमें अनुसूचित जाति, ओबीसी और सवर्ण वर्ग के जज शामिल हों। इसके अतिरिक्त, इन मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति के समक्ष जनहित ज्ञापन प्रस्तुत करने का भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर विजय सिंह पाल, सियाशरण यादव, धर्मेंद्र लोधी, मुकेश कुमार, गुरुदत्त धीमान, गिरिराज किशोर लोधी, नेत्रपाल प्रजापति, विमलेश कुमार सिन्हा और घनश्याम विश्वकर्मा भी मौजूद रहे।

केंद्रीय बजट पर बोले सांसद त्रिवेन्द्र, केंद्रीय कर में बढ़ाई गई उत्तराखंड की हिस्सेदारी

हरिद्वार । संसद में केंद्रीय बजट पेश किए जाने के बाद भाजपा सांसद अपने-अपने क्षेत्रों में बजट की खूबियां गिना रहे हैं। हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रेस क्लब पहुंचकर बजट के प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने राहुल गांधी पर भी हमला बोला। राहुल गांधी को संसद में नहीं बोलने देने के सवाल पर त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा राहुल गांधी बच्चों की तरह जिद करते हैं। संसद नियमों से चलती है, जिद से नहीं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री के सदन में भाषण नहीं देने पर उन्होंने कहा विपक्ष द्वारा जिस प्रकार का व्यवहार संसद में किया जा रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा संसद में मर्यादित विरोध किया जाना चाहिए।

मनरेगा के सवाल पर त्रिवेंद्र रावत ने कहा मनरेगा का केवल नाम बदला गया है। योजना को खत्म नहीं किया गया है। योजना में कई राज्यों में घोटाले सामने आने के बाद कुछ प्रावधान बदले गए हैं। अब ग्रामीणों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा। 33 फीसदी महिलाओं को काम देना अनिवार्य किया गया है। यूजीसी कानून पर उन्होंने कहा मामला न्यायालय के विचाराधीन है। इसलिए इस पर अभी कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा।

बजट पर त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा इस बार का बजट विकसित भारत संकल्प 2047 को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया है। ये बजट देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और विरासत को लेकर आगे बढ़ेगा। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा आगे कदम बढ़ाएगा। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा बजट में उत्तराखंड के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाते हुए 41 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है। रेल बजट में उत्तराखंड के लिए 4800 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। सांस्कृतिक व एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं। 10 हजार ग्रामीण टूरिस्ट गाइड तैयार किए जाएंगे। क्लाइमेट चेंज के लिए भी प्रावधान किए गए है।

रुड़की में आठ घंटे बिजली कटौती से 20 हजार उपभोक्ता बेहाल

रुड़की । रुड़की में रविवार को लंबे शटडाउन ने शहर के 20 हजारों उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दीं। बिजली गुल रहने से न सिर्फ दैनिक कामकाज प्रभावित हुआ, बल्कि मोटर न चलने के कारण कई इलाकों में पानी का संकट भी खड़ा हो गया, जिससे लोगों को दिनभर परेशान होना पड़ा। ऊर्जा निगम ने रविवार को आगामी गर्मियों को देखते हुए शहर में बिजली की लाइनों की मरम्मत का काम किया गया। इसके चलते करीब आठ घंटे शहर के चार प्रमुख फीडर बंद रखे गए। बदले मौसम के चलते फरवरी के पहले सप्ताह में ही लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। गर्मी में सबसे अहम चीज बिजली होती है। ऐसे में गर्मियों में उपभोक्ताओं को कोई परेशानी न उठानी पड़े, इसे लेकर ऊर्जा निगम की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसके तहत रविवार को शटडाउन लेकर निगम ने नगर में जगह-जगह बिजली की लाइनों की मरम्मत करने और लाइनों पर आ रही पेड़ की टहनियों की लोपिंग-चोपिंग का काम किया। इसके लिए विभाग ने नगर के चार फीडर डिवीजन फीडर, जादूगर फीडर, मूलदासपुर फीडर और पीटीडब्लू फीडर बंद रखे। इससे इन फीडरों से जुड़े नगर विगम, सिंचाई वर्कशॉप, विशाल मेगा वाट, हरिद्वार रोड, प्रेम मंदिर रोड, 16 सिविल लाइंस, अग्रवाल मार्केट, मूलदासपुर माजरा, बढेढी राजपुताना, दौलतपुर, शांतरशाह, बहादरपुर सैनी आदि इलाकों में सप्लाई प्रभावित हुई।

धोखाधड़ी के आरोपी धनंजय की तलाश तेज

हल्द्वानी । करोड़ों की जमीन की धोखाधड़ी में नामजद ठेकेदार धनंजय गिरी की एसआईटी ने तलाश तेज कर दी है। फिलहाल उसके संभावित ठिकानों के संबंध में जानकारी लेकर पुलिस शीघ्र दबिश देगी। सुभाषनगर आवास विकास हल्द्वानी निवासी धनंजय गिरी की गिरफ्तारी नहीं होने पर भोटिया पड़ाव चौकी प्रभारी अनिल कुमार को आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने शनिवार को सस्पेंड कर दिया था। धनंजय पर धोखाधड़ी मामले में कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। आईजी के स्वयं मामले में हस्तक्षेप किया था और चौकी प्रभारी को धनंजय की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। लेकिन पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई। अब एसआईटी मामले की जांच कर रही है। एसपी सिटी और एसआईटी प्रभारी मनोज कत्याल ने बताया कि आरोपी के संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी ली जा रही है। उसके राज्य से बाहर होने की सूचना मिली है। सूत्रों के अनुसार धनंजय की लोकेशन इस वक्त दिल्ली में है। उसके करीबियों से भी शीघ्र पुलिस पूछताछ कर सकती है।

नाले के अधूरे निर्माण काम से लोग परेशान, प्रदर्शन किया

हरिद्वार । ज्वालापुर विस क्षेत्र के वार्ड-35 कड़च्छ में बड़े नाले का पुनर्निर्माण पिछले पांच महीनों से अधूरा पड़ा है। ग्रामीण निर्माण विभाग की कार्यदायी संस्था और ठेकेदार ने सड़क तोड़कर काम शुरू तो किया, लेकिन बीच में ही छोड़ दिया। नतीजा यह है कि आज पूरा इलाका परेशानी, गुस्से और असुरक्षा के साए में जी रहा है। इससे नाराज स्थानीय लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया। उनके अनुसार, टूटी सड़क, खुला नाला और चारों ओर बिखरा मलबा, यही आज कड़च्छ की पहचान बन गई है। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। कई लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं, जबकि वाहन घरों तक पहुंचना लगभग बंद हो गया है। लोगों का कहना है कि अंसारी मार्केट से कड़च्छ तक नाले की टेपिंग करीब एक साल पहले पूरी हो गई थी, लेकिन कड़च्छ मोहल्ले में नाले का सुदृढ़ीकरण से लटका हुआ है। जेसीबी से खुदाई के दौरान नाले के किनारे बने कई मकान पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। आंबेडकर मूर्ति के पास सड़क तोड़ने के बाद कार्यदायी संस्था निर्माण करना ही भूल गई। प्रदर्शनकारियों ने चेताया कि जब तक नाले का निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान सुखलाल, रमेश कुमार, बलजीत, रविंद्र कुमार, मुकेश कुमार, पूरण सिंह, बबलू, मंजीत सिंह, अजीत, चंद्रभान, मोहित कुमार, यशपाल, मधुकांत, विशाल शामिल रहे। नाले के निर्माण में राजनीति का आरोप आक्रोशित लोगों ने राजनीतिक द्वेष के चलते निर्माण रुकवाने का आरोप लगाया। पार्षद अंजू देवी ने कहा कि राजनीतिक कारणों से जानबूझकर धीमी गति से नाला बनाया जा रहा है। नगर निगम और ग्रामीण निर्माण विभाग में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। लगभग 90 मीटर नाले का निर्माण और टेपिंग बाकी है। डीएम दफ्तर घेरने की चेतावनी वार्ड-33 शास्त्रीनगर के पार्षद सुनील कुमार ने चेताया कि जनता का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि नाले के निर्माण की मांग शीघ्र पूरी नहीं हुई, तो स्थानीय लोगों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। शासन से मांगी गई है अनुमति ग्रामीण निर्माण विभाग (आरईएस) के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि नाले का निर्धारित निर्माण पूरा किया जा चुका है। अब अलग से 90 मीटर अतिरिक्त नाले के निर्माण की मांग सामने आई है। इसका आकलन करते हुए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

नहीं पड़ेंगी नकली लेशेज की जरूरत, ये असरदार उपाय दिलाएंगे खूबसूरत और घनी पलकें

खूबसूरत आंखें हर शख्स के चेहरे का नूर बढ़ा देती हैं। अगर किसी महिला की पलकें घनी और गहरी हों, तो खूबसूरती बेमिसाल लगती है। यही कारण है कि युवतियां घनी पलकों की चाहत रखती हैं, इसलिए कई युवतियों के मन में यह यह सवाल हमेशा रहता है कि पलकें कैसे घनी बनाई जाए। ऐसे में जिन युवतियों की पलकें हल्की होती हैं, वो मेकअप और नकली लैशेज की मदद से इन्हें घना बनाने की कोशिश करती हैं। कुछ लड़कियां तरह-तरह के घरेलू नुस्खें भी अपनाती हैं। ऐसे में आज हम आपको पलकें लंबी और घनी बनाने के लिए कुछ प्रचलित घरेलू उपचार लेकर आए हैं। तो चलिए जानते है इनके बारे में...

अरंडी का तेल

अरंडी के तेल में टी-ट्री ऑयल मिला लें। अब इस मिश्रण को मस्कारा ब्रश या ईयर बड की मदद से रात को पलकों पर लगाएं।रात भर इसे पलकों पर लगा रहने दें।सुबह पानी से आंखों को धो लें।इसे रोजाना रात को पलकों पर लगाकर सोएं।

विटामिन-ई

विटामिन-ई कैप्सूल में एक पिन से छेद करेंअब इसका तेल निकालकर साफ उंगलियों से अपनी पलकों पर लगा लें।इस तेल को तीन-चार घंटे या पूरी रात पलकों पर लगा रहने दें।फिर सुबह साफ पानी से आंखों को धो लें।बेहतर परिणाम के लिए रोज आंखों पर विटामिन-ई कैप्सूल का तेल लगा सकते हैं।

ग्रीन-टी-एक कप गर्म पानी में ग्रीन-टी की पत्तियां डालकर कुछ देर उबाल लें।जब पानी ठंडा हो जाए, तो उसे पलकों पर लगाएं।इस पानी को रातभर अपनी पलकों पर लगा रहने दें।अगली सुबह पानी से चेहरा धो लें।ऐसा रोजाना किया जा सकता है।

पेट्रोलियम जेली

सावधानीपूर्वक अपनी पलकों पर पेट्रोलियम जेली लगाएं।अब कुछ देर इससे मसाज करें और रात भर लगाकर छोड़ दें।इसे हर रात को सोने से पहले लगा सकते हैं।

शिया बटर

सबसे पहले उंगलियों पर थोड़ा-सा शिया बटर लें और अच्छी तरह रगड़ कर पिघला लें।अब इसे पलकों पर लगाएं।इसे पलकों पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें और सुबह पानी से धो लें।बेहतर परिणाम के लिए ऐसा रोज रात को सोने से पहले प्रयोग करें।

जैतून का तेल

सबसे पहले जैतून के तेल और अरंडी के तेल को अच्छी तरह मिला लें।रात को सोने के पहले ईयर बड की मदद से इस तेल को पलकों पर लगाएं।सुबह उठकर मुंह को रोजाना की तरह पानी से धो लें।इस प्रक्रिया को रोजाना रात को सोने से पहले करें।

हर होने वाली दुल्हन के पास जरूर होनी चाहिए ये ज्वेलरी

हर लड़की के लिए शादी एक यादगार अवसर होता है और उसके पहनावे के साथ-साथ ज्वेलरी उसके इस खास दिन की चमक को और ज्यादा बढ़ा सकती हैं। नेकलेस और झुमके से लेकर मांगटीका और चूड़ियां, हर पीस होने वाली दुल्हन को आकर्षक लुक देने में मदद करता है। आइए आज हम आपको पांच ज्वेलरी पीस के बारे में बताते हैं, जो हर होने वाली दुल्हन के पास जरूर होने चाहिए।

सोने या हीरे का हार-शादी के साजो-सामान में ज्वेलरी सबसे महत्वपूर्ण है और हार दुल्हन के लुक को पूरा करता है। इसके लिए आप अपनी शादी में एक हल्का गोल्डकॉइन हार पहन सकती हैं, जो ट्रेडिशनल लुक के लिए परफेक्ट रहेगा। अगर आप पेस्टल कलर का लहंगा पहन रही हैं तो हीरे का हार चुनें। रॉयल लुक के लिए आप चोकर के साथ लेयर्ड लंबा रानी हार भी ट्राई कर सकती हैं।

खूबसूरत ईयररिंग्स-शादी का लुक खूबसूरत ईयररिंग्स के बिना अधूरा है। अगर आपने शादी के लिए क्लासिक ट्रेडिशनल लुक चुना है तो बड़ी चांदबाली या झुमके बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, अगर आप कुछ हल्का कैरी करना चाहती हैं तो शैंडलियर इयररिंग्स, स्पार्कलिंग डायमंड सॉलिटेयर या स्टोन वाले ईयररिंग भी चुन सकती हैं। ये आपकी शादी के विभिन्न अवसरों के लिए भी उपयुक्त हैं।

डायमंड के आकार का मांगटीका-होने वाली दुल्हन के बीच वाले बालों पर लगाया जाने वाला मांगटीका भी एक अच्छा लुक देता है। हिंदू शादियों की महत्वपूर्ण गहनों में से एक मांगटीका होने वाली दुल्हन के पूरे लुक में एक सदाबहार आकर्षण जोड़ सकता है। इसके लिए आप मोतियों या ट्रिंकेट वाली डायमंड के आकार का मांगटीका चुन सकती हैं। वैसे आजकल माथा पट्टी भी काफी ट्रेंड में है, इसलिए इसे चुनना भी बेहतर है।

चूड़ियां-चूड़ियां भारतीय शादी की परंपराओं को परिभाषित करती हैं और दुल्हन के लुक को आकर्षित बना सकती हैं। आप सोने या चांदी में सुंदर पोल्की या मीनाकारी वाली चूड़ियों का चयन कर सकती हैं। अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं तो डैंगलिंग कलीरे बैंगल्स जैसे खूबसूरत स्टेटमेंट पीस भी ट्राई कर सकती हैं। आप अपने साजो-सामान में चौड़ी चूड़ियां या कंगन भी शामिल कर सकती हैं।

एक नथ-नथ को नोज रिंग के रूप में भी जाना जाता है। प्राचीन काल से दुल्हनों का नथ पहनना शुभ माना जाता है। हालांकि, अगर आपकी नाक नहीं छिदी हुई है तो आप क्लिप-ऑन नथ का चयन कर सकती हैं। एक आसान तरीका यह है कि कुंदन वर्क और मोती की चेन वाली एक सोने की नथ को भी चुन सकती हैं।

आपके मोटापे का कारण बन रही सुबह की ये आदतें, इनमें है बदलाव की जरूरत

हर कोई चाहता हैं कि उनका शरीर सेहतमंद रहने के साथ ही फिट रहें। लेकिन वर्तमान समय की खराब जीवनशैली और अनहेल्दी डाइट के चलते बहुत से लोग बढ़ते वजन से परेशान रहते हैं। वजन बढ़ना आज के समय की एक आम समस्या है। डाइट और एक्सरसाइज अपने मनमुताबिक वजन कम करने और छरहरी काया पाने का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन अक्सर देखने को मिलता हैं कि लोग अपनी कुछ आदतों की वजह से ना चाहते हुए भी मोटेपन का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में आपको अपने दिन की शुरुआत पर ध्यान देने की जरूरत हैं जहां आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव लाने की जरूरत हैं। आइये जानते हैं वजन बढ़ाने वाली इन गलत आदतों के बारे में...

बहुत ज्यादा सोना

अधिक सोने से वजन घटने के बजाय बढ़ने लगता है। दरअसल रात में नौ घंटे से अधिक नींद को ओवर स्लिपिंग माना जाता है। हालांकि सात घंटे से कम की नींद लेने से सेहत पर खराब प्रभाव पड़ता है। अधिक सोने के कारण मोटापा तेजी से बढ़ता है। जबकि दिन में सोने से भी वजन प्रभावित होता है।

सुबह पानी नहीं पीना

सुबह की ये गलती आपकी कमर को आपकी सोच से कहीं ज्यादा प्रभावित करती है। पानी शरीर में हर बायोलॉजिकल फंक्शन के लिए जरूर है, जो शरीर को अधिक कैलोरी जलाने की अनुमति देता है। पानी नहीं पीने से डिहाइड्रेशन और मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप आपका पेट निकलने लगता है।

नियमित चाय या कॉफी का सेवन

सुबह-सुबह बिना कुछ नाश्ता किए चाय या कॉफी का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है, लेकिन भारत में अधिकतर लोगों के दिन की शुरुआत इसी से होती है। अगर आप वजन घटाने की सोच रहे हैं तो यह तरीका उसके लिए सही नहीं है।

सुबह एक्सरसाइज़ न करना

स्टडीज़ से पता चला है कि सुबह खाली पेट एक्सरसाइज़ करने से लोगों को ज्यादा फैट बर्न करने और वजन घटाने में मदद मिल सकती है। एक्सरसाइज़ करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन ठीक हो सकता है और शरीर के सभी अंग अच्छी तरह से काम करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। वजन बढ़ने से रोकने के लिए हर सुबह एक्सरसाइज़ करें, जिम जाएं, वॉक या रनिंग करें, रस्सी कूदें या जॉगिंग करें।

खाते समय टीवी देखना

बहुत से लोग सुबह के समय नाश्ता करते समय टीवी देखते हैं। ये सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। टीवी देखते समय आप ज्यादा खाते हैं। इससे आपका वजन बढ़ सकता है। इसलिए खाना खाते समय टीवी न देखें। खाना धीरे-धीरे और चबा-चबा कर खाएं।

सुबह की धूप नहीं लेना

क्या आप जानते हैं कि सुबह की धूप आपका वजन कम करने में सहायक हो सकती है? जी हां, दरअसल सुबह की धूप शरीर में विटामिन-डी की कमी को पूरा करती है। एक शोध में यह पाया गया है कि जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है, उनके पेट की चर्बी बढ़ जाती है और कमर चौड़ी हो जाती है। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंडोक्रीनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में भी एक रिपोर्ट छपी थी, जिसमें बताया गया था कि जिन महिलाओं में विटामिन-डी की कमी होती है, उनका वजन बढ़ जाता है। इसलिए ऐसा माना जाता है कि सुबह की धूप सेहत के लिए हर तरह से फायदेमंद होती है। यह आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है।

दिन की शुरुआत गलत खानपान से करना

अपने वजन को हेल्दी रेंज में बनाए रखने के लिए नाश्ते में अच्छे फूड का चयन करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, एक उच्च प्रोटीन वाला नाश्ता आपको वजन घटाने को बढ़ावा दे सकता है। लेकिन हम में से अधिकांश को हर सुबह इस पोषक तत्व की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पाती है। ज्यादा फैट वाले और हाई सोडियम वाले नाश्ते से बचें क्योंकि यह आपका पेट मोटा कर सकता है और आपको पूरे दिन सुस्त महसूस कर सकता है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पिटकुल की समीक्षा बैठक

विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर मुख्यमंत्री का सख्त रुख, वितरण लॉस व विद्युत चोरी पर जीरो टॉलरेंस

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (पिटकुल) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गत वर्षों में पूर्ण की गई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की उपलब्धियों, एडीबी पोषित एवं नॉन-एडीबी पोषित गतिमान परियोजनाओं, मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास की गई परियोजनाओं, मुख्यमंत्री घोषणा से संबंधित कार्यों तथा आरईसी/पीएफसी पोषित योजनाओं की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

इसके साथ ही वर्ष 2025-26 में अतिरिक्त अंश पूंजी (राज्य सेक्टर एवं SASCI), प्रस्तावित परियोजनाओं हेतु वर्षवार अंश पूंजी की आवश्यकता, पिटकुल के रिसोर्स एडीक्वेसी प्लान/मास्टर प्लान, आपदा मद में क्षतिपूर्ति हेतु धनराशि एवं मानव शक्ति की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश: समयबद्धता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

मुख्यमंत्री ने विद्युत वितरण लॉस को न्यूनतम करने, विद्युत चोरी पर सख्ती से रोक लगाने तथा वितरण लॉस में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। आगामी ग्रीष्मकालीन सीजन को देखते हुए यूजेवीएनएल, पिटकुल एवं यूपीसीएल को अभी से समस्त तैयारियां सुनिश्चित करने, सभी औपचारिकताओं को मार्च तक पूर्ण कर अप्रैल तक परियोजनाओं के शुभारंभ हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

सीएसआर मद में प्राप्त धनराशि के लिए पृथक खाता खोलकर उसका अधिकतम एवं बहु-रचनात्मक उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। विभिन्न जनपदों में एडीबी पोषित उपकेंद्रों से संबंधित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। एडीबी पोषित द्वितीय चरण के अंतर्गत बहादराबाद (हरिद्वार), कोटद्वार (पौड़ी), भिकियासैंण (अल्मोड़ा), कपकोट (बागेश्वर) एवं नंदप्रयाग (चमोली) में भूमि आवंटन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूर्ण करने हेतु संबंधित जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत शिलान्यास की गई सभी परियोजनाओं को तत्काल प्रभाव से पूर्ण करने हेतु निरंतर निगरानी एवं प्रभावी प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पिटकुल की उल्लेखनीय उपलब्धियां और वित्तीय सुदृढ़ता

पिटकुल के प्रबंध निदेशक पी सी. ध्यानी ने विगत चार वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि आरईसी द्वारा पिटकुल की क्रेडिट रेटिंग को + से ++ किए जाने से परियोजना क्रियान्वयन हेतु प्राप्त ऋणों पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिलेगी, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को कम टैरिफ के रूप में प्राप्त होगा। उन्होंने अवगत कराया कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पावर लाइन पत्रिका द्वारा पिटकुल को 'पावर लाइन ट्रांस टेक इंडिया अवार्ड-2025' से सम्मानित किया गया है, जो ऊर्जा क्षेत्र के पारेषण क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में न्यूनतम लाइन लॉस के लिए प्रदान किया गया। कुशल प्रबंधन एवं सतत लाभ वृद्धि के परिणामस्वरूप पिटकुल द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक का सर्वाधिक 1243 करोड़ का लाभांश उत्तराखंड सरकार को दिया गया है।

विगत चार वर्षों में कुल 22 परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं, जिनमें से 12 परियोजनाएं क्षमता वृद्धि से संबंधित हैं।

एडीबी एवं नॉन-एडीबी पोषित परियोजनाओं में तीव्र प्रगति

वर्तमान में एशियाई विकास बैंक (ADB) पोषित 220 एवं 120 केवी उप संस्थानों की परियोजनाएं मंगलौर, सेलाकुई, आराघर, खटीमा, धौलाखेड़ा, लोहाघाट एवं सरवरखेड़ा में गतिमान हैं। इसके अतिरिक्त नॉन-एडीबी पोषित 400, 220 एवं 132 केवी उप संस्थानों की परियोजनाएं पीपलकोटी, घनसाली, बनबसा, रानीहाट, ऋषिकेश, अल्ट्राटेक एवं सिमली में प्रगति पर हैं। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु व आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पंकज पांडेय, सी रवि शंकर, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, विनय शंकर पाण्डेय, प्रबंध निदेशक उत्तराखंड जल विद्युत निगम डॉ. संदीप सिंघल, प्रबंध निदेशक यूपीसीएल अनिल कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हरिद्वार के घर में 15 दिन बाद मृत मिली बुजुर्ग मां

हरिद्वार । गलाकाट प्रतिस्पर्धा वाली दुनिया में लोग रोजगार के लिए अंधाधुंध भागदौड़ कर रहे हैं। इससे परिवार बिखर से गए हैं। बुजुर्ग माता-पिता बेसहारा रहने को मजबूर हैं। ऐसे में उनकी देखभाल और खोज खबर लेने वाला कोई नहीं है। ऐसा ही एक मामला उत्तराखंड स्थित धर्मनगरी के नाम से प्रसिद्ध हरिद्वार से सामने आया है। हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव बरामद होने से सनसनी मच गई। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग महिला घर में अकेली रह रही थी। हरिद्वार में आर्यनगर में अकेली रह रही बुजुर्ग महिला का शव 10-15 दिन पुराना बताया जा रहा है। नोएडा से हरिद्वार लौटे उनके ही बेटे ने घर का दरवाजा तोड़ा और दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के आर्यनगर कॉलोनी में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, पीर वाली गली में एक महिला अपने घर में अकेले रहती थी। गुरुवार सुबह महिला का शव बरामद होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। जानकारी जुटाई गई तो सामने आया कि- महिला का एक बेटा फरीदाबाद में बैंक आफ इंडिया में कार्यरत है। जबकि दूसरे बेटे ने आईबी से वीआरएस लिया हुआ है। दोनों ही बेटे अपने-अपने परिवारों के साथ फरीदाबाद और दिल्ली में रहते आ रहे हैं। ज्वालापुर में उनका पुश्तैनी मकान है। बताया जा रहा है कि महिला बेटों के साथ नहीं रहती थी। यहां पुश्तैनी मकान में वो अकेले रहती थी। महिला के बेटे उसे रोजाना फोन कर रहे थे। लेकिन महिला कई दिन से मोबाइल पर कॉल रिसीव नहीं कर रही थी। फोन कॉल रिसीव न होने पर नोएडा से महिला का बेटा हरिद्वार पहुंचा। हरिद्वार पहुंचे बेटे ने दरवाजा खटखटाया तो भी कोई आहट नहीं हुई। इसके बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से घर का दरवाजा तोड़ा गया तो बुजुर्ग महिला का शव बरामद हुआ। शव में से दुर्गंध आ रही थी और देखने में लग रहा था कि महिला की मौत कई दिन पहले हो चुकी होगी। सूचना मिलते ही ज्वालापुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुण्यतिथि पर परमार्थ निकेतन की भावभीनी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश । परमार्थ निकेतन से आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मातृभूमि के अनन्य उपासक और राष्ट्र निर्माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन मूल्यों, नैतिकता और देश सेवा के लिए समर्पित किया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी देश की आत्मा और संस्कृति के सशक्त स्तंभ थे। उनका जीवन, उनके विचार और उनके सिद्धांत आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा, दिशा और आदर्श का स्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि पंडित जी का व्यक्तित्व सादगी, दृढ़ता और समाज सेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने सदैव यह संदेश दिया कि राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था या सैन्य सामर्थ्य में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, मूल्यों और नैतिक चेतना में निहित होती है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति सदाचार, आत्मनिर्भरता और देशभक्ति से ओत-प्रोत होगा, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों का केंद्र एकात्म मानववाद था। इस दर्शन के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज का हर व्यक्ति—चाहे वह गरीब हो या अमीर, शिक्षित हो या अशिक्षित—राष्ट्र निर्माण में समान रूप से सहभागी है। उनके अनुसार वास्तविक विकास केवल भौतिक उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान में निहित है।

उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आधुनिकता के साथ जोड़ने का अद्वितीय प्रयास किया। उनका मानना था कि मूल्य और विकास परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान और आत्मनिर्भरता के लिए उनके प्रयास आज भी मार्गदर्शक हैं।

आज जब देश विभिन्न सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब उनके सिद्धांत और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होते हैं। उनका संदेश है कि सशक्त समाज का निर्माण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, नैतिकता और मूल्य आधारित जीवन से संभव है। परमार्थ निकेतन परिवार ने उनकी देशभक्ति, त्याग और समर्पण को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए संकल्प लिया कि उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य करता।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400

ई-मेलः liveskgnews@gmail.com

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)

सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।